



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 97] नई दिल्ली, बुधवार, मई 15, 1985/वैशाख 25, 1907
No. 97] NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 15, 1985/VAISAKHA 25, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(वित्तिक कार्य विभाग)

जधिसूचना

नई दिल्ली, 15 मई, 1985

सं. एक. 4 (5)/इश्यू एण्ड एम/84.—9.50
प्रतिशत ऋण, 1995, 10.50 प्रतिशत ऋण, 2005 और
11.50 प्रतिशत ऋण, 2015 के लिए 900
करोड़ रुपये की कुल राशि के लिए 21 मई,
1985 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक
अभिधान नकदी में स्वीकार किये जाएंगे। परक्राम्य लिखित
अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा
21 मई, 1985 को छुट्टी घोषित किये जाने पर
अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित
आदाता कार्यालयों में अभिधान स्वीकार किये जाएंगे। सरकार
को 900 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के
अभिधानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिधान राशि
990 करोड़ रुपये से अधिक हो तो ऋणों के
संदर्भ में आनुपातिक आधार पर आंशिक आबंटन किया

जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक
आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिधान की राशि लौटा
दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशि पर कोई ब्याज
अदा नहीं किया जाएगा।

3. ₹ 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया
जाने वाला और 21 मई, 1995 को सममूल्य पर प्रतिदेय
9.50 प्रतिशत ऋण, 1995।

(i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 21 मई,
1995 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹ 100.00
(सांकेतिक) का निर्गम मूल्य ₹ 100.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 21 मई, 1985
से वार्षिक 9.50 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही
में 21 नवंबर और 21 मई को ब्याज अदा किया
जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर सीधे
दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के
अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत
कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम
5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

4. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 मई, 2005 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.50 प्रतिशत ऋण 2005।

- (i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 21 मई, 2005 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (ii) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।
- (iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 21 मई, 1985 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 21 नवम्बर और 21 मई, को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नोबे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जाएगी।

5. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 मई, 2015 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2015।

- (i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 21 मई, 2015 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (ii) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।
- (iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 21 मई, 1985 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 21 नवम्बर और 21 मई को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नोबे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

पूरक व्यवस्थाएं

6. आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे :—

- (क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गोहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और
- (ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

7. ब्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक, अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गोहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालय तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकीय या उप-राजकीय में ब्याज अदा किया जाएगा।

8. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है, वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती कर उसे ब्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा-पत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

9. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 7,000 रुपये की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80ड के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्धारित रूपों की सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी :—

- (i) स्टॉक प्रमाणपत्र; या (ii) धनपत्र

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करें तो उन्हें स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।

12. ऋणों के लिए आवेदनपत्र—ऋणों के लिए आवेदनपत्र रु० 100 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

13. आवेदन पत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक का पूरा नाम और पता

उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक व्याज अदायगी की अपेक्षा करता है।

14. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिज़र्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम आह्वित किये जाने चाहिए।

15. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से ऋण आवेदन-पत्रों पर किये गये आवंटनों पर तथा दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहुरयुक्त ऋण-आवेदनपत्रों पर किये गये आवंटनों पर प्रति रु० 100.00

(सांकेतिक) 8 पैसे की दर पर दलाली अदा की जायेगी। बैंक-वाणिज्य और सहकारी बैंक—उनके अपने अभिदानी के लिए दलाली को अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

दलाली को अदायगी के लिए ऋण जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से,
ए. रंगाचारी, संयुक्त सचिव

आवेदन पत्र का काम

मैं/हम*

(पूरा/पूरे नाम)

साथ सं० _____ (_____ रुपये) के लिये नकदी*/बैंक प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं* और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें* नीचे उल्लिखित मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों में बचनपत्र (पत्रों)*/स्टाक प्रमाणपत्र के रूप में सं० _____ के सांकेतिक मूल्य के 9.50 प्रतिशत अर्ध 1995*/10.50 प्रतिशत अर्ध 2005*/11.50 प्रतिशत अर्ध, 2015* की गतिभूतियां जारी की जाएं:—

प्रति बचनपत्र सं० _____ का(के)† _____ बचनपत्र
 प्रति बचनपत्र सं० _____ का(के)† _____ बचनपत्र
 प्रति बचन पत्र सं० _____ का(के)† _____ बचनपत्र

2 मैं/हम* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका ब्याज _____ में अदा किया जाए।

विशेष टिप्पणी: इस खाने में आवेदक कुछ न लिखे।

प्रतिष्ठियां आवाता कार्यालय द्वारा दी जायेंगी।

	छोटे हस्ताक्षर	दिनांक
आवेदन पत्र सं० "दलाली नई" मुहर नकदी प्राप्त होने की तारीख बैंक वसूल होने की तारीख विशेष चालू खाते में जमा करने की तारीख जान की गयी नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया मांग पत्र सं० प्रतिभूति सं० काई सं० वाउचर पारित करने की तारीख		

हस्ताक्षर _____

पूरा(पूरे) नाम _____

पता _____

दिनांक : _____ मई, 1985

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

रु० 100, रु० 200 रु० 500, रु० 1,000 रु० 5,000, रु० 10,000, रु० 25,000, रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मूल्य वर्गों में बचनपत्र जारी किये जायेंगे।

जो मुख्य वर्ग अपेक्षित हो उसका यहां उल्लेख करें।

टिप्पणियां : (1) प्रत्येक अर्ध अभिदान के प्रत्येक प्रकार और अपेक्षित नये अर्ध के प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र या बचनपत्र) के लिये अलग-अलग आवेदन किया जाए।

(2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं।

(3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो विशेष आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक अर्ध कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो, संलग्न किये जाएं:—

(i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मूद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी मर्याद प्रतिनिधि।

(ii) कंपनी/निकाय के ज्ञापन पत्र और अंतर्नियम या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिनिधियां।

(iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिये प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष से किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिनिधि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर (हस्ताक्षरों) के साथ।

(4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें छमाही ब्याज के प्रेषण के लिये (लोक अर्ध कार्यालय में उपलब्ध) प्रादेश काम भी भरना चाहिये।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
NOTIFICATION

New Delhi, the 15th May, 1985

No. F. 4(5)W&M/85.—Subscriptions for the issues of 9.50 per cent. loans, 1995|10.50 per cent. loan, 2005 and 11.50 per cent. loan, 2015 for an aggregate amount of Rs. 900 crores will be received in the form of cash on the 21st May, 1985 upto the close of banking hours. In the event of 21st May, 1985 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. in excess of the sum of Rs. 900 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 990 crores, partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 9.50 per cent. loan, 1995 issue at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st May, 1995.

- (i) Date of Repayment—The loan will be repaid at par on the 21st May, 1995.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the loan applied for.
- (iii) Interest—The loan will bear interest at the rate of 9.50 per cent. per annum from 21st May, 1985. Interest will be paid half-yearly on the 21st November and 21st May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

4. 10.50 per cent. loan, 2005 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st May, 2005.

- (i) Date of Repayment—The loan will be repaid at par on the 21st May, 2005.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the loan applied for.
- (iii) Interest—The loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent. per annum from 21st May, 1985. Interest will be paid half yearly on the 21st November and

21st May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

5. 11.50 per cent. loans, 2015 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st May, 2015.

- (i) Date of Repayment—The loan will be repaid at par on the 21st May, 2015.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the loan applied for.
- (iii) Interest—The loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent per annum from 21st May, 1985. Interest will be paid half-yearly on the 21st November and 21st May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

6. Application will be received at—

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all the District Headquarters in India except at (a) above.

7. Place of payment of interest—Interest on the loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim.

8. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

9. Interest on the loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from Income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth-tax upto the limit specified in the Act.

11. The Securities will be issued in the form of—

(i) Stock Certificates; or (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the Securities will be issued in the form of Promissory Stock Certificates.

12. Applications for the loans—Application the loans must be for Rs. 100 or a multiple of sum.

13. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the loans.

By Order of the President,

A. RANGACHARI, Jt. Secy.

FORM OF APPLICATION

[Full Name(s) in Block Letters]

herewith

*Cash

tender—Rs (Rupees)

Cheque for

and request that Securities of 9.50 per cent. Loan, 1995*/10.50 per cent. Loan, 2005/11.50 per cent. Loan, 2015 of the nominal value of Rs.

may be issued to me/us* in the form of

*Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below:—

Stock Certificate.

..... Promissory Note(s)† of Rs each

..... Promissory Note(s)† of Rs each

..... Promissory Note(s)† of Rs each

2. I/We* desire that interest be paid at.....

N.B.—The applicant should not write anything in this cage.
The entries will be filled in by the Receiving Office.

	Initials	Date	
Application No.			Signature(s)
N.B. Stamp			Name(s) in full.....
Cash Received on.			(Block Letters)
Cheque Realised on.			
Credited to Special Current Account on			Address
Examined			
Cash Applications			
Register Posted			Dated, the..... of May, 1985
Brokerage Register Posted			
Indent No			
Scrip No			
Card No			
Voucher passed on			

*Delete what is not required.

†Promissory Notes will be issued in denomination of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

- NOTES :—(1) Separate applications should be made for each loan, each form of subscription and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the new loan required.
- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:—
- Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the Issuing Authority under his office seal.
 - Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of the Company/Body.
 - Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

